Literacy for a Billion

Movie: Himalaya Ki God Mein
Year: 1965

Song: Chand Si Mahabooba Ho Meri
Lyricist: Anand Bakshi

चाँद सी महबूबा हो मेरी कब
ऐसा मैंने सोचा था
हाँ तुम बिल्कुल वैसी हो
जैसा मैंने सोचा था

चाँद सी महबूबा हो मेरी कब
ऐसा मैंने सोचा था
हाँ तुम बिल्कुल वैसी हो
जैसा मैंने सोचा था

ना क़समें हैं ना रसमें हैं
ना शिकवे हैं ना वादे हैं
ना क़समें हैं ना रसमें हैं
ना शिकवे हैं ना वादे हैं
एक सूरत भोली भाली है
दो नैना सीधे सादे हैं
दो नैना सीधे सादे हैं

ऐसा ही रूप ख़यालों में था
ऐसा मैंने सोचा था
हाँ तुम बिल्कुल वैसी हो
जैसा मैंने सोचा था

मेरी ख़ुशियाँ ही ना बाँटे
मेरे ग़म भी सहना चाहे
मेरी ख़ुशियाँ ही ना बाँटे
मेरे ग़म भी सहना चाहे
देखे ना ख़्वाब वो महलों के
मेरे दिल में रहना चाहे
मेरे दिल में रहना चाहे

इस दुनिया में कौन था ऐसा
जैसा मैंने सोचा था
हाँ तुम बिल्कुल वैसी हो
जैसा मैंने सोचा था

चाँद सी महबूबा हो मेरी कब
ऐसा मैंने सोचा था
हाँ तुम बिल्कुल वैसी हो
जैसा मैंने सोचा था

हाँ तुम बिल्कुल वैसी हो
जैसा मैंने सोचा था

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.